सोमवार
21 फरवरी 2022

पृष्ठ 4
बालों के लिए फायदेमंद है सेब का सिरका, ऐसे अपने हेयर केयर रुटीन में करें शामिल

पृष्ठ 5
जल्द आएगी अजय देवगन की सिंघम 3, अभिनेता ने दिया हिंट

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 28
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

श्रेष्ठ वही है जिसके हृदय में दया व धर्म बसते हैं, जो अमृतवाणी बोलते हैं और जिनके नेत्र विनय से झुके होते हैं।
– संत मलूकदास

महिला वोटर करेंगी इस बार भाजपा की चुनावी नैय्या पार

संवाददाता

देहरादून। भले ही भाजपा की राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल में कोई उल्लेखनीय काम न किया हो लेकिन केंद्रीय पोषित योजनाओं के दम, खासकर महिलाओं से जुड़ी योजनाओं पर हुए काम और प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भाजपा को वोट देने वाली महिला वोटर 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का बेड़ा पार लगा सकती है।

●केंद्रीय योजनाएं व मोदी के नाम पर पड़ा वोट
●इस बार 26 लाख महिलाओं ने किया मतदान

उल्लेखनीय है कि 2022 के विधानसभा चुनाव को लेकर इन दिनों भाजपा और काग्रेस की धड़कने बढ़ी हुई है। चुनाव प्रचार के दौरान भले ही भाजपा के नेताओं द्वारा अब की बार 60 पार का नारा दिया गया हो, लेकिन इस सच्चाई से भाजपा भी बखूबी अवगत है कि रिकॉर्ड हर बार नहीं बनते हैं वही सत्ता विरोधी फैक्टर का भी अपना अस्तित्व होता है। और फिर भाजपा की सरकार के स्तर पर भी उसकी बड़ी उपलब्धि उसके खाते में नहीं है, उसके ऊपर से चुनाव पूर्व दो बार मुख्यमंत्री बदलकर उसने रही सही कमी भी पूरी कर ली थी लेकिन इस सब के बावजूद भी सूबे की महिला मतदाताओं के भाजपा के पक्ष में जमकर मतदान करने की खबरों के बीच भाजपा के सत्ता में बने रहने की संभावनाएं बरकरार है।

राज्य में कुल वोटर संख्या 82 लाख के पार है जिसमें लगभग 40 लाख महिला मतदाता हैं। इस बार राज्य में 65 फीसदी के करीब मतदान का प्रतिशत रहा है। इस हिसाब से राज्य के चुनाव में लगभग 26 लाख महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है खासतौर से इस बार पहाड़ों पर महिला मतदाताओं में भारी उत्साह देखा गया। इनमें से अधिकांश मत भाजपा के पक्ष में जाने की बात कही जा रही है। यही नहीं उसका जो अहम कारण बताया गया है वह केंद्रीय योजनाओं का लाभ मिलना बताया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सभी जनसभाओं में उन जनधन खातों का भी उल्लेख किया गया जिनके माध्यम से महिलाओं के खातों में विभिन्न योजनाओं की सब्सिडी पहुंच रही है

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

डेरियों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

❑मिलावटखोरों का दूध सड़क पर फैलाया
❑नेहरू कॉलोनी व जीएमएस रोड पर बड़ी कार्रवाई
❑16 फरवरी से अब तक 47 सैंपल भेजे गए जांच को

संवाददाता

देहरादून। खाद्य सुरक्षा विभाग और विजिलेंस की टीम द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आज नेहरू कॉलोनी और जीएमएस रोड क्षेत्र की दर्जन भर डोरियों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर तमाम तरह की अनियमितताएं पकड़ी तथा मिलावटखोरों का दूध नष्ट कराया गया। टीम द्वारा खराब स्थिति में मिले मक्खन, पनीर और मावे सहित कई वस्तुओं के सैंपल लिये गए, जिन्हें रुद्रपुर लैब में जांच के लिए भेजा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खाद्य विभाग की दो अलग–अलग टीमों द्वारा मिलावटी दूध व दुग्ध उत्पादों के व्यवसाय से जुड़ी डेरियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। नेहरू कॉलोनी में डिप्टी कमिश्नर आर एस रावत के नेतृत्व में खाद्य विभाग की टीम ने हुए श्वेत धारा और आनंदा डेयरी सहित तीन बड़ी डेरियों पर छापेमारी कर यहां भारी अनियमितताएं पकड़ी। इन डेरियो में हाइजीनिगं अनेक उत्पाद मिले। श्वेत धारा डेरी में मक्खन व पनीर

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

डोरंडा कोषागार मामले में लालू यादव को 5 साल की सजा, 60 लाख का जुर्माना

रांची । चारा घोटाले के डोरंडा ट्रेजरी से १३९.३५ करोड़ रुपये के गबन मामले में लालू यादव समेत ३८ दोषियों को रांची की विशेष सीबीआई कोर्ट ने आज वीडियो कांफ्रेंस के जरिये सजा सुनायी। सीबीआई कोर्ट ने लालू प्रयाद को ५ साल जेल की सजा सुनाई है। साथ ही ६० लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सीबीआई की विशेष कोर्ट के जज एस के शशि ने १५ फरवरी को लालू समेत ३८ दोषियों को दोषी करार देते हुए सजा पर सुनवाई के लिए २१ फरवरी की तारीख तय की थी। लालू यादव इस समय रांची रिम्स में इलाजरत हैं। सीबीआई की विशेष अदालत ने लालू प्रसाद यादव को आईपीसी की धारा ४०९, ४२०, ४६७, ४६८, ४७१ के साथ षड्यंत्र से जुड़ी धारा १२०बी एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा १३(२)के तहत दोषी करार दिया है। इस मामले में सीबीआई ने कुल १७० आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था जबकि १४८ आरोपियों के खिलाफ २६ सितंबर २००५ में आरोप तय किए गए थे। चारा घोटाले के चार विभिन्न मामलों में १४ साल तक की सजा पा चुके लालू प्रसाद यादव समेत ९९ लोगों के खिलाफ अदालत ने सभी पक्षकारों की बहस सुनने के बाद २९ जनवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। लालू यादव को ये सजा १९९०–९५ के बीच डोरंडा ट्रेजरी से १३९.३५ करोड़ रुपए की अवैध निकासी के मामले में हुई है। जिसमें १९९६ में दर्ज हुए इस केस में १७० लोग आरोपी थे। ५५ आरोपियों की मौत हो चुकी है और सात आरोपी सरकारी गवाह बन गए। वहीं दो आरोपियों ने दोष स्वीकार किया है।

देश में पिछले 24 घंटे में 17 हजार से कम आए नए कोरोना केस, संक्रमण से 206 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट जारी है। इसी क्रम में देश में पिछले २४ घंटों में कोविड–१९ के १६,०५१ नए मामले सामने आए हैं जो रविवार के मुकाबले ३,९११ मामले कम हैं। वहीं, पिछले २४ घंटों में ३७,९०१ लोग इस बीमारी से रिकवर हुए हैं, जिसके बाद देश में कुल रिकवरी का आंकड़ा ४,२१,२४,२८४ हो गया है। फिलहाल, अभी भी भारत में २ लाख ०२ हजार १३१ सक्रिय मामले मौजूद हैं।

देश में कोरोना संक्रमण से पिछले २४ घंटों में २०६ लोगों की मौत हुई है। ऐसे में अब कुल मरने वालों की संख्या ५ लाख १२ हजार १०९ हो गई है। इस दौरान दैनिक पॉजिटिविटी दर

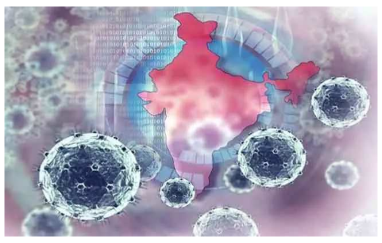

१.९३ प्रतिशत दर्ज किया गया, जोकि रविवार के मुकाबले ज्यादा है। कल के मुकाबले सोमवार को दैनिक पॉजिटिविटी दर मामूली बढ़ोतरी देखी गई है। कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा १,७५,४६,२५,७१० हो गया है।

बता दें कि रविवार को देश में कोविड–१९ के १९,९६८ नए मामले मिले थे। शनिवार सुबह के आंकड़ों के मुकाबले नए आंकड़ों में १० प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। इस बीच ६७३ मरीजों की मौत कोरोना वायरस से मौत भी हुई थी। ऐसे में कल कोरोना से देश में मरने वालों की संख्या बढ़कर ५ लाख ११ हजार ९०३ हो गई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह जारी अपडेट के मुताबिक, पिछले २४ घंटे में ४८,८४७ मरीज कोरोना से ठीक हुए थे, जबकि इस दौरान दैनिक संक्रमण दर १.६८ प्रतिशत था।

महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के १,४३७ नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर ७८,५८,४३१ हो गई। इसके अलावा छह रोगियों की मौत के साथ ही मृतकों की तादाद बढ़कर १,४३,५८२ तक पहुंच गई।

दून वैली मेल

संपादकीय

आतंकवादी-आतंकवादी का खेला

क्या हमारे देश के नेता आतंकवादी है या आतंकवादियों को उनके द्वारा संरक्षण और समर्थन दिया जाता है? यह सवाल इसलिए उठाया जाना जरूरी हो गया है क्योंकि इन दिनों चुनावी अखाड़े में नेताओं द्वारा जन समस्याओं से ज्यादा इसी मुद्दे की चर्चा की जा रही है। चुनावी दौर में इस वक्त सबसे अधिक आतंकवादी आतंकवादी का ही खेल खेला जा रहा है। यूं तो राजनीति में वाटला एनकाउंटर की घटना पर भाजपा द्वारा कांग्रेस की घेराबंदी की जाती रही है। लेकिन अभी हाल में कुमार विश्वास द्वारा अरविंद केजरीवाल पर किए गए सनसनीखेज खुलासे के बाद इस मुद्दे ने ऐसा तूल पकड़ लिया है कि अब अन्य तमाम मामले भी जुड़ते चले जा रहे हैं। 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में फैसले के बाद अब भाजपा ने सपा को भी लपेट लिया है। इसमें फांसी की सजा पाने वालों में एक आरोपी कभी सपा में रहा होगा जिसे लेकर उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रचार में सपाइयों को आतंकवादियों की पार्टी बताया जा रहा है। अब तक अरविंद केजरीवाल यह सफाई दे रहे थे कि अगर भाजपा नेता उन्हें आतंकवादी बता रहे हैं तो फिर भाजपा का हर नेता आतंकवादी है। अब अखिलेश यादव भी कुछ इसी तरह की सफाई देते हुए भाजपाइयों को भी आतंकवादी बता रहे हैं। जेपी नड्डा कल एक जनसभा में बोलते हुए लोगों से अपील कर रहे थे कि वह आतंकवादियों को उभरने का मौका न दें। सपा की लाल टोपी को रेड अलर्ट बताने वाले प्रधानमंत्री का कहना है कि अहमदाबाद में साइकिल से ही बम प्लांट किए गए थे उनका कहना है कि इन बम रखने वाले साइकिल वालों को सत्ता में आने देना चाहिए या नहीं। निश्चित तौर पर देश के नेताओं की इस सोच पर किसी को भी शर्म भी आ सकती है जो अपने चुनावी लाभ के लिए आतंकवादी आतंकवादी का यह खेला खेल रहे हैं। अभी गृह मंत्री अमित शाह ने कुमार विश्वास के आरोपों को गंभीर बताते हुए कहा था कि गृह मंत्रालय द्वारा इसकी जांच कराई जाएगी। गृह मंत्री का यह बयान बताता है कि यह मामला सिर्फ चुनावी जुमलेबाजी नहीं है अगर ऐसी बात है तो इस मामले की उच्चस्तरीय जांच जरूरी है तथा दोषियों को बेनकाब किया जाना भी जरूरी है। क्योंकि सत्ता में बैठे लोगों की आतंकवादियों से संलिप्ता मामूली बात नहीं समझी जा सकती है। ऐसे लोग देश की एकता और अखंडता के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। लेकिन इस आतंकवादी शब्द का प्रयोग जिस तरह से एक दूसरे के खिलाफ किया जा रहा है वह यह बताने के लिए भी काफी है कि इन नेताओं के लिए यह भी अन्य चुनावी जुमले की तरह ही है। जो इनकी सोच और संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। चुनाव में किसी भी दल और नेता द्वारा किसी के भी खिलाफ आतंकवादी जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। चुनावी दौर में शब्दों की मर्यादाएं लाघने नेताओं को यह समझने की भी जरूरत है कि इससे उनकी अपनी छवि भी खराब हो रही है। चुनावी दौर में आने वाली शिकायतों में मानहानि की बहुतायत में होने वाली शिकायतें नेताओं के हल्के पन का ही सबूत है।

दिव्यांगों को योजनाओं की दी जानकारी

काशीपुर (आरएनएस)। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की ओर से कुष्ठ बाधित दिव्यांगों को जागरूक कर योजनाओं की जानकारी दी। शनिवार को मोहल्ला टांडा उज्जैन स्थित कुष्ठ आश्रम में २० कुष्ठ रोगियों को समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के बारे में बताया गया। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के नोडल अधिकारी सतीश चौहान ने कहा कुष्ठ रोगियों से दिव्यांग पेंशन संबंधी जानकारी ली गई। अनमोल फाउंडेशन की मीनाक्षी चौहान ने दिव्यांगजनों को यूडी आईडी कार्ड और रोडवेज पास के संबंध में जानकारी दी। इसके बाद स्पार्क मिंडा फाउंडेशन के सहयोग से दिव्यांगों को मास्क और सेनेटाइजर बांटे। यहां डॉ.प्रशांत सिंह, अक्षय कुमार, पारुल रहे।

डेरियों पर ताबड़तोड़ छापेमारी...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

खराब हालत में मिले, जिसके सैंपल भरे गए हैं वहीं इन डेरियों में भारी गंदगी भी मिली जहां साफ-सफाई के मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। जिसके लिए नोटिस दिया गया है।

उधर खाद्य विभाग के अधिकारी पीसी जोशी के नेतृत्व में दूसरी टीम द्वारा जीएमएस रोड पर महादेव डेयरी पर जब छापा मारा गया तो यहां खुले दूध में बर्फ डाला हुआ मिला जिसे मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। ठीक वैसे ही पूजा डेरी पर मिलावटी दूध को नष्ट कराया गया इसके अलावा सिंघल डेरी व रावत डेरी सहित कई स्थानों पर छापेमारी कर बड़ी अनियमितताएं पकड़ी गई। इन डेरियों से तमाम खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए हैं जिन्हें जांच के लिए भेजा जा रहा है। जोशी ने बताया कि 16 फरवरी से चल रहे इस अभियान में अब तक 47 सैंपल जांच के लिए भेजे जा चुके हैं। जिसकी रिपोर्ट आने पर नियम सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मिलावट के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

126 साल की उम्र में एक योगी की प्रतिष्ठा

अरुण नैथानी

भारतीय प्राच्य ग्रंथों में इंसान के सौ साल के जीवन की कामना की गई है, जिसे पाना सौभाग्य माना जाता रहा है। सौ से पार जाना तो अचरज ही माना जाता है। लेकिन जब कहा जाये कि कोई 126 साल का व्यक्ति ब्रह्ममुहूर्त में योग करता हो, स्वस्थ हो तो दुनिया का चौंकना स्वाभाविक है। हर कोई उनकी उम्र को संदेह की दृष्टि से देखता है। यूं तो भारतीय पौराणिक ग्रंथों में योगी पुरुषों के सैकड़ों वर्ष जीने की किंवदंतियां हैं, लेकिन विज्ञान ने सवाल उठाये हैं। निस्संदेह, जब चालीस-पचास की उम्र पर बीमारियों का पहरा होने लगे तब 126 वर्ष स्वस्थ व्यक्ति का होना सचमुच अचरज भरा है। सचेतन व स्वस्थ जीवन जीते उत्तर प्रदेश के बनारस में रहने वाले शिवानंद बाबा पिछले दिनों तब सुर्खियों में आये जब उन्हें चौथा बड़ा नागरिक सम्मान पद्मश्री देने की घोषणा हुई। यूं तो अब तक वे योग की परंपरा के अनुरूप प्रचार से बचते रहे हैं। पहली बार वे तब चर्चा में आए जब योग प्रेमी अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने योग के गुर सीखने के बाद सोशल मीडिया पर उनका जिक्र किया।

ऐसा नहीं है कि बाबा शिवानंद की उम्र का आंकड़ा कपोल-कल्पित हो, जैसे कि पुराने जमाने में जन्म का कोई ठोस प्रामाणिक दस्तावेज नहीं होता था। बाबा के पास बाकायदा आधार कार्ड और पासपोर्ट भी है। वे कई यूरोपीय देशों की सैर कर चुके हैं। एयर पोर्ट पर लोग चौंकते रहे हैं कि इतनी उम्र का आदमी बिना किसी सहारे के चल-फिर रहा है। बाबा तब भी चर्चा में आये थे जब उन्होंने कोरोना के दोनों टीके लगवाये थे। स्वास्थ्यकर्मी पंजीकरण के वक्त उनकी उम्र को देखकर चौंके। तब वे उन सबको आशीर्वाद देकर लौटे थे।

बाबा का आरंभिक जीवन बेहद कष्टों भरा रहा है। वे अविभाजित बंगाल में जन्मे थे। बाबा शिवानंद का जन्म वर्तमान बांग्लादेश स्थित श्रीहट्टी जनपद में 8 अगस्त, 1896 में हुआ था। इस तिथि के हिसाब से तो वे दुनिया के सबसे वृद्ध व्यक्ति बनते हैं। लेकिन गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में रिकॉर्ड जापान के चित्तेसु वतनबे के नाम दर्ज है, जिनकी उम्र 122 साल बैठती है। शायद गुमनामी का जीवन जीने वाले शिवानंद ने रिकॉर्ड के बारे में कभी सोचा ही नहीं। भिक्षाटन से जीवन-यापन करने वाले परिवार में जन्मे शिवानंद का बचपन कष्टों से भरा रहा। बताते हैं उनके माता-पिता की मृत्यु भूख से हुई, जिसके बाद उन्होंने आधा पेट भोजन लेने का संकल्प लिया और जीवनपर्यंत निभाया। उनकी सोच है कि दुनिया में तमाम लोगों को खाने के लिये भोजन नहीं मिलता, सो उन्होंने दूध-फल का भी त्याग किया।

बचपन में अथाह गरीबी के चलते छह वर्ष की उम्र में माता-पिता ने बंगाल के नवदीप में एक गुरु के यहां उन्हें छोड़ दिया। वर्ष 1903 में जब वे अपने गांव पहुंचे तो पता चला कि भूख से माता-पिता व बहन की मृत्यु हो गई है। कालांतर में उन्होंने वर्ष 1907 में गुरु ओंकारानंद गोस्वामी से दीक्षा ली। बाद में गुरु की मृत्यु के बाद वे वर्ष 1977 में वृंदावन आ गये। फिर 1979 में काशी में बस गये। वर्ष 1925 में गुरु के निर्देश पर वे दुनिया भ्रमण पर निकले और तीन दशक देश-विदेश के स्थानों का भ्रमण किया। बताते हैं कि वे आस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी व हंगरी की यात्रा भी कर चुके हैं। वास्तव में शिवानंद एक आध्यात्मिक व्यक्ति हैं। योग-धर्म के बारे में उनकी जानकारी गहरी है। वे काशी को पवित्र भूमि व तपोभूमि भी मानते हैं। गरीबों के प्रति उनका आत्मीय भाव सदा रहा है और उनकी मदद करने में उन्हें सुकून मिलता है।

शायद बचपन में जब माता-पिता ने अकाल मृत्यु का वरण किया होगा तो जरूर कहा होगा कि हमारी उम्र बेटे को लग जाये। शायद तभी 126 साल की उम्र में वे एक सामान्य व्यक्ति का जीवन जीते हैं। दुनियावी चमक-दमक से दूर सात्विक जीवन जीने वाले बाबा पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उनकी दिनचर्या भोर में तीन बजे उठकर शुरू होती है। वे रोज एक घंटा योग करते हैं। फिर भगवत गीता व मां चंडी के श्लोकों का पाठ करते हैं। छत से 18 सीढ़ियां रोज उतरते हैं, करीब तीन-चार किलोमीटर रोज टहलते भी हैं। फिर रात्रि आठ बजे सो जाते हैं। वे तला-भुना नहीं, सिर्फ उबला खाते हैं। खाने में चावल, दो रोटी, उबली हरी सब्जियां खाते हैं। भोजन में सेंधा नमक हल्का इस्तेमाल करते हैं। घी-तेल का प्रयोग नहीं करते। कभी ओवर डाइट नहीं लेते।

बाबा शिवानंद पद्मश्री हासिल करके खुश हैं क्योंकि इससे योग को दुनिया में प्रतिष्ठा मिलेगी। बाबा योग का अच्छा ज्ञान रखते हैं। ईश्वर भक्ति में लीन रहते हुए सात्विक जीवन जीते हैं। वे कहते हैं कि हर व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिये योग करना चाहिए। योग की ताकत ने कोरोना संकट में लाखों लोगों की मदद की। बाबा बेहद अनुशासित जीवन जीते हैं। वे बताते हैं कि शुद्ध-शाकाहारी भोजन से वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। वे दुनिया की चकाचौंध से दूर रहते हैं। लेकिन संयोग देखिये कि ग्लैमर की दुनिया की ही शिल्पा शेट्टी उन्हें चकाचौंध की दुनिया से रूबरू करा गईं। बाबा कभी स्कूल नहीं गये, लेकिन हिंदी, अंग्रेजी व बांग्ला का उच्चारण कर लेते हैं। उनके अनुयायी देश के महानगरों तथा विदेशों में भी हैं। देश के कई नामी अस्पतालों के डॉक्टर मेडिकल टेस्ट के जरिये उनकी उम्र का राज़ जानने की कोशिश करते रहे हैं। उनका यही संदेश है कि लोग जीने की पद्धति बदलें, जंक फूड से बचें, ऑयली भोजन से परहेज करें तथा योग करें।

त्वदिभयेन्द्र पार्थिवानि विश्वाच्युता चिच्यावयन्ते रजांसि।
द्यावाक्षामा पर्वतासो वनानि विश्वं दृळ्हं भयते अज्मन्ना ते।।

(ऋग्वेद ६-३१-२)

हे परमेश्वर ! आपके डर से पृथ्वीलोक, द्युलोक, आदि जिनका अपने स्थान से हिलना भी कठिन है। वह भी आप की व्यवस्था के अनुसार क्रियाशील होते हैं। समस्त संसार प्रभु के शासन में ही चलता है।

O God ! Due to your fear Prithviloka, Dulok, etc., which are difficult to move from their own place. They also move according to your system. The whole world runs under your rule.(Rig Veda 6 -31-2)

काश! जनता के दुख-दर्द ले जाती

सहीराम

इधर एक नामी किसान नेता ने एक मजाक किया। उसे तंज भी कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक पार्टी विशेष के वोट तो कोको ले गयी। धर्म और जाति से भरपूर इन चुनावों में उन्होंने अपने इस मजाक से लोक जीवन का आनंद भर दिया। प्राइम टाइम की डिबेट भी जब कोको पर आकर अटकी तो धर्म और जाति की गरिष्ठता से अघाए दर्शकों तथा श्रोताओं ने कुछ राहत की सांस ली। हालांकि यह किसी को नहीं पता था कि यह कोको है क्या बला। धीरे-धीरे लोगों की जानकारी में यह बात आयी कि यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोकजीवन का एक काल्पनिक जीव है और उन बच्चों को बहलाने या डराने के काम आता है, जो किसी एक चीज की जिद कर लेते हैं।

खैर, सवाल यह है कि कोको वोट ही क्यों ले गयी। अरे भाई, वोट तो कोई भी ले जाता है। पार्टी की टिकट पर खड़ा कोई गुंडा या अपराधी भी ले जाता है, कोई बड़ा सेठ ले जाता है, कोई बिल्डर या प्रोपर्टी डीलर ले जाता है, कोई बड़ा वकील ले जाता है या कोई बड़ा रिटायर्ड अफसर ले जाता है। कोई डरा-धमका कर ले जाता है तो कोई लोभ-लालच देकर ले जाता है। तो भाई जो वोट कोई भी ले जा सकता है, वही वोट कोको क्यों ले गयी। लोगों के दुख-दर्द ले जाती तो कुछ बात थी। युवा इतने दिन से रोजगार-रोजगार चिल्ला रहे हैं, नौकरियों के फार्म भर-भरकर तंग आ चुके हैं। यह कोको उनकी यह बेरोजगारी क्यों न ले गयी।

महंगाई से लोगों की कमर टूट चुकी है। पैट्रोल, डीजल ही सौ के आंकड़े तक नहीं पंहुचे हैं, टमाटर से लेकर गोभी तक सब सौ के पेटे में ही हैं। खाने-पकाने के तेल तो इनसे भी दुगने हैं। तो यह कोको इस महंगाई को क्यों नहीं ले गयी। दो साल से सारी दुनिया कोरोना की महामारी से परेशान है। यह लाखों लोगों की जान ले चुकी है। यह कोको इस महामारी को क्यों न ले गयी। ताली-थाली बजाकर टोटके तो कोको वाले ही किए गए थे, लेकिन बात कुछ बनी नहीं। यह गरीबी इतनी सदियों से देश में जड़ जमाए बैठी है। कोको इसे भी ले जा सकती थी, पर नहीं ले गयी और देखो पहले से ज्यादा लोग गरीब हो गये। कोई कहता है महामारी के चलते हो गए, कोई कहता है सरकार की नीतियों के चलते हो गए। लेकिन किसी न किसी तरह हो गए।

कोको अगर थोड़ी मेहरबानी करती तो नहीं होते। इतना भ्रष्टाचार फैला है, और कुछ नहीं तो कोको उसे ही ले जाती। पर उसे नहीं ले गयी। बस एक पार्टी विशेष के वोट लेकर गयी। अगर उसे चुनाव के मौके पर ही कुछ ले जाना था तो जातिवाद, धार्मिक कट्टरता वगैरह ले जाती। और कुछ नहीं तो नेताओं का गाली-गलौज ही ले जाती।

18 वर्षो से फरार, 10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। पिछले 18 वर्षों से फरार चल रहे दस हजार रुपये के इनामी डकैत को एसटीएफ द्वारा कल देर रात दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है।

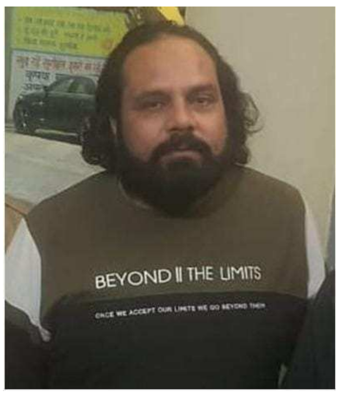

वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा हरिद्वार के थाना मंगलौर मे पंजीकृत मुकदमें के मामले में पिछले 18 वर्षो से फरार चल रहे ईनामी डकैत शकील उर्फ पहलवान पुत्र भोला उर्फ वाला निवासी मुजफ्फरनगर को दिल्ली के थाना कालिंदी कुंज क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया है।

बता दें कि 10 अक्टूबर 2004 को शकील उर्फ पहलवान द्वारा अपने साथियों सहित हरिद्वार कस्बा मंगलौर में मौहम्मद सजर पुत्र नफीस अहमद के घर मे तमंचा और चाकुओ के दम पर नगदी व जेवरात आदि सामान लूट लिया गया था। जिस संबंध में थाना मंगलौर में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इस घटना मे शामिल 7 बदमाशों मे से 5 की गिरफ्तारी हो चुकी थी जबकि एक मुठभेड़ मे मारा गया था। शकील उर्फ पहलवान तभी से फरार चल रहा था। जिसके लगातार फरार रहने पर 2008 में उसके घर की कुर्की की जा चुकी है। शकील उर्फ पहलवान का एक अन्य साथी नौशाद उर्फ छोटा पुत्र हकीमुद्दीन निवासी सरधना मेरठ जो इसके साथ कई अपराधिक वारदातों मे संलिप्त था जिसको मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा मुठभेड़ में मारा जा चुका है।

पर्यटकों से गुलजार दिखी तीर्थनगरी

ऋषिकेश (आरएनएस)। उत्तराखंड में कोरोना के मामले घटने और नियमों में ढील मिलने के बाद वीकेंड पर रविवार को तीर्थनगरी में पर्यटकों की संख्या बढ़ने लगी है। वीकेंड पर रिवर राफ्टिंग लेकर पर्यटकों में खासा क्रेज दिखाई दिया। इस दौरान गंगा घाटी में सैकड़ों रंग–बिरंगी राफ्टें नजर आईं। वहीं, रामझूला, लक्ष्मणझूला पुल के साथ जानकी सेतु पर पर्यटकों की भीड़ रही।

वीकेंड पर रविवार पर तीर्थनगरी ऋषिकेश पर्यटकों से गुलजार दिखी। गंगा रंग–बिरंगी राफ्टों से अटी रही। इस दौरान पर्यटकों ने जमकर राफ्टिंग का लुत्फ उठाया। दिल्ली, हरियाणा और आसपास के शहरों के पयर्टकों की संख्या में इजाफा हुआ। इससे व्यापारियों और पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिले नजर आए। वहीं, गंगाघाटी के कैंप, रिजॉर्ट और होटल भी पर्यटकों से पैक रहे। पर्यटन कारोबारी वैभव थपलियाल, सुभाष चौहान, पंकज अग्रवाल ने बताया कि आने वाले दिनों में पर्यटन कारोबार के रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। शिवानंद गेट से रामझूला पुल की ओर जाने वाले संपर्क मार्ग पर पर्यटकों की चहल–पहल नजर आयी, जहां पखवाड़ाभर पहले कम रौनक थी। वहीं गंगा राफ्टिंग रोटेशन समिति अध्यक्ष दिनेश भट्ट ने बताया कि कोविड नियमों में ढील के बाद पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

किसानों ने सीखा गन्ना उत्पादन बढ़ाने का गुर

काशीपुर (आरएनएस)। गन्ना के साथ दलहनी फसल उत्पादन के लिए फील्ड अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हो गया। केंद्र सहायक निदेशक डॉ. संजय कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को गन्ना उत्पादन बढ़ाने, टेंच विधि से गन्ने की बुआई २५ सेंटीमीटर गहराई पर करने, मेड पर मूंग व उड़द की फसल बोने आदि की जानकारी दी। उन्होंने खरपतवार नियंत्रण कर भी जोर दिया।

डॉ.सिद्धार्थ कश्यप ने गन्ना की फसल में लगने वाले रोगों के नियंत्रण के बारे में बताया। वैज्ञानिक अधिकारी प्रमोद कुमार सिंह ने अन्य गन्ना बीज उत्पादन, गन्ना की फसल के साथ दलहनी फसल उत्पादन के लाभ पर प्रकाश डाला। यहां डॉ.रीना नौलिया, बबीता, राकेश कुमार, ललित, भूपेंद्र सिंह, संदीप कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

पौड़ी में गुलदार की दहशत बरकार

पौड़ी (आरएनएस)। शहर में शाम ढलते ही गुलदार के दिखने से स्थानीय लोगों में दहशत बनी हैं। जिला चिकित्सालय पौड़ी के सरकारी आवासीय कालोनी परिसर में बीते शनिवार की शाम को एक गुलदार दिखाई दिया। हालांकि ऐतिहात के तौर पर तब वन विभाग ने आवासीय परिसर में गश्त लगाने के साथ ही पिंजरा लगाया हुआ है, लेकिन गुलदार अभी तक पिंजरे में कैद नहीं हो पाया है। शहर के जिला अस्पताल की आवासीय कालोनी में गुलदार की धमक से डॉक्टरों, कर्मचारियों व शहरवासियों में दहशत बनी है। शनिवार की देर सायं को भी माल रोड क्षेत्र में स्थानीय लोगों को गुलदार दिखाई दिया। जिस स्थान पर गुलदार दिखा, वह आबादी वाला क्षेत्र हैं। हालांकि वन विभाग ने यहां पर बीते गुरुवार को यहां पर पिंजरा लगा दिया था लेकिन गुलदार अभी तक तक पिंजरे में कैद नहीं हो पाया है।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गया शहीदी दिवस श्री ननकाना साहिब

संवाददाता

देहरादून। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार देहरादून के तत्वाधान मे शहीदी दिवस श्री ननकाना साहिब कथा-कीर्तन के रूप मे श्रद्धा पूर्वक मनाया गया है।

प्रातः नितनेम मे के पश्चात भाई चरणजीत सिंह ने आसा डी वार का शब्द 'मुर्दा होय मुरीद न गली होवणा, साबर सिदिक शहीद भरम भयु खोलणा' एवं भाई गुरदियाल सिंह जी ने शब्द 'जोयो तोयो प्रेम खेलन का चाओ सिर धर तली गली मेरी आओ' का गायन किया गया।

हैड ग्रंथी भाई शमशेर सिंह ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी के जन्म स्थान श्री ननकाना साहिब मे महंत नैरानू दास ने सरकार के इशारे पर कब्जा कर के बैठ गया एवं मन मर्जीयां करने लगा जो भी श्रद्धालु माथा टेकने आता तो महंत के गुंडे उनके साथ गलत हरकतें करते, एक सिंधी परिवार की बच्ची के साथ कुकर्म किया जिसका सिखों ने विरोध स्वरुप गिरफ्तारियां देने का फैसला किया, जब संगत ननकाना साहिब पहुंची तो महंत ने गोलियां चलाना आरम्भ कर दिया, जिसमे अनेक सिख शहीद हो गये, आखिर मे सिखों की शहादत रंग लाई और पवित्र स्थान की सेवा संभाल सिखों के पास आ गई।

अरदास के पश्चात संगत ने जलपान ग्रहण किया। मंच का संचालन सेवा सिंह मठारु ने किया। इस अवसर पर प्रधान गुरबक्श सिंह राजन, जनरल सेक्रेटरी गुलजार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमिंदर सिंह छाबड़ा, उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह चन्नी, कोषाध्यक्ष मंजीत सिंह, सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा, सतनाम सिंह, राजिंदर सिंह राजा आदि उपस्थित थे।

साइबर हेल्प लाइन नंबर अब बदलकर हुआ 1930

नई टिहरी (आरएनएस)। गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से पूर्व में वित्तीय साइबर शिकायतों के लिए जारी हेल्प लाइन नंबर में संसोधन किया गया है। अब पूर्व में जारी १५५२६० नंबर के स्थान पर १६३० नया हेल्प लाइन नंबर होगा।

एसएसपी टिहरी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पूर्व में भारत सरकार की ओर से वित्तीय साइबर हेल्प लाइन नंबर जारी किया गया था। जिससे पूरे उत्तराखण्ड प्रदेश में जनता को साइबर हेल्प लाइन की मदद से वित्तीय धोखाधड़ी की सूचना देने व धोखाधड़ी से हुए आर्थिक नुकसान को बचाने में काफी सहायता मिली है। बताया कि अब गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से १५५२६० को संशोधित करते हुए एक नया नंबर १६३० संचालित किया गया है, जिस पर आम जनमानस वित्तीय साइबर अपराधों की शिकायत कर सकते हैं। एसएसपी ने आम नजता से नए साइबर हेल्प लाइन नंबर का व्यापक प्रचार–प्रसार करने की अपील की है, जिससे सभी लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरुक हो सकें।

सड़कों में कूड़ा पसरा होने के विरोध में उतरे लोग, किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। श्रीनगर में गत पांच दिनों से कूड़ेदानों से कूड़ा न उठने के कारण शहर में पसरी गंदगी के विरोध में स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर डा.बीपी नैथानी के नेतृत्व में लोगों ने श्रीकोट टैक्सी स्टैंड के सामने राजमार्ग पर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने कहा कि कूड़ा न उठने से शहर में दुर्गंध फैल गई है। जिससे गंभीर रोगों के फैलने का खतरा बना हुआ है। श्रीनगर में नगर निगम व नगर पालिका के विवाद के कारण शहर की सफाई व्यवस्था बुरी तरह से चरमराई हुई है। पालिका में ईओ न होने से कूड़ा उठाने वाले वाहनों के डीजल के लिए बजट नहीं मिल पा रहा है। जिससे जगह–जगह रखे कूड़ेदानों से कूड़ा नहीं उठ पा रहा है। इस मामले में शासन–प्रशासन की ओर से भी मौन साधा हुआ है। रविवार को इसके विरोध में स्वच्छता ब्रांड एबेंसडर डा.बीपी नैथानी ने अन्य लोगों के साथ डाकघर के समीप रखे कूड़ेदान के सामने दरी लगाकर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि वह इस संदर्भ में गढ़वाल कमिश्नर को भी पत्र दे चुके हैं। बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। अलकनंदा टैक्सी एसोसिएशन श्रीनगर के अध्यक्ष महावीर बहुगुणा व श्रीनगर जिला व्यापार सभा के अध्यक्ष वासुदेव कंडारी ने भी धरना प्रदर्शन में शामिल होकर विरोध जताया।

श्रीनगर में 27 को होगा रक्तदान शिविर

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। मेडिकल कॉलेज के बेस अस्पताल ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए मां फाउंडेशन की ओर से २७ फरवरी को प्रातरू १० बजे से अदिति वेडिंग प्वाइंट में बृहद स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। मां फाउंडेशन के सत्यजीत खंडूड़ी ने बताया कि रक्त की कमी को पूरा करने के लिए शहर में लंबे समय से रक्तदान शिविर नहीं हो पाया है। जिसके लिए मां फाउंडेशन द्वारा शिविर लगाए जा रहा है। उन्होंने लोगों से शिविर में बढ़–चढ़कर भागीदारी करने की अपील की है। कहा रक्तदान से कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।

पर्वतीय रूटों पर बसों की कमी, यात्री परेशान

ऋषिकेश (आरएनएस)। तीर्थनगरी ऋषिकेश से रविवार को पहाड़ के विभिन्न रूटों पर संचालित बस सेवाओं की कमी रही। चंद्रभागा पुल तिराहे पर सवारियां बसों का इंतजार करती नजर आईं। बसों की कमी के कारण गंतव्य तक पहुंचने के लिए सवारियों को मजबूरन मनमाना किराया देकर टैक्सी, जीप आदि का सहारा लेना पड़ा।

रविवार को पर्वतीय रूट की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। ऋषिकेश–लक्ष्मणझूला हाईवे पर स्थित चंद्रभागा पुल तिराहे के समीप पहाड़ के विभिन्न इलाकों में जाने वाली सवारियां बसों के इंतजार में खड़ी रही। जानकारी लेने पर सवारियों ने बताया कि काफी देर से टिहरी और पौड़ी रूट की बसें नहीं आई हैं।

शिवपुरी जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे राजेंद्र सिंह ने बताया कि एक दिन पहले यातायात व्यवस्था सुचारु रही, लेकिन रविवार को बसों की कमी हो गई है। चंद्रभागा पुल तिराहा पर सामान के साथ खड़ी अन्य सवारियों ने भी बसों के विलंब से आने की बात कही। बताया कि कई सवारियों ने समय से घर पहुंचने के लिए टैक्सी और जीप से आगे का सफर तय किया। यातायात एवं पर्यटन सहकारी संघ के अध्यक्ष मनोज ध्यानी ने बताया कि बसों की कमी नहीं है। कई बार संयुक्त यात्रा बस अड्डे पर सवारी की कमी के चलते अक्सर बस सेवा निर्धारित समय पर नहीं चलती, इससे चंद्रभागा पुल तिराहे पर विलंब से पहुंचती है। पहाड़ की सभी बस सेवाएं चल रही हैं।

रविवार को वीकेंड पर पर्यटकों के वाहनों का दबाव बढ़ने से हरिद्वार–ऋषिकेश राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोयलघाटी तिराहा से चंद्रभागा पुल तिराहा तक जाम रहा। लड़खड़ाती यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस और होमगार्ड मशक्कत करते दिखायी दिए। देर शाम तक स्थिति कुछ सामान्य हुई।

इन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज को करने के लिए नहीं पड़ती है वेट की जरूरत

अमूमन लोग शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने और मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने के लिए वेट वाली एक्सरसाइज को शामिल कर लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना वेट के भी कुछ ऐसी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज हैं? शायद नहीं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी ही स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें बिना वेट के आसानी से घर में की जा सकती है।

प्लैंक : सबसे पहले अपने घुटने मोड़कर जमीन पर बैठ जाएं और दोनों कोहनियों को फर्श पर टिकाकर आपस में बांध लें, फिर पैरों को फैलाकर पेट के बल लेट जाएं। ध्यान रहें कि इस दौरान आपके कंधे और कोहनियां एक ही सीध में हो। अब कोहनी को कसकर रखें और शरीर का भार पैरों की उंगुलियों और हथेलियों पर रखें, फिर पांच-छह मिनट इसी स्थिति में रहें। इसके बाद धीरे-धीरे एक्सरसाइज छोड़ते हुए सामान्य हो जाए।

स्क्वाट : स्क्वाट एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले अपने दोनों हाथ सामने की ओर खोलकर सीधे खड़े हो जाएं। इस दौरान आपकी छाती एकदम तनी हुई होनी चाहिए। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जिस तरह से कुर्सी पर बैठा जाता है। इसके बाद सांस भरते हुए धीरे-धीरे नीचे झुकें और फिर ऊपर आते समय सांस छोड़ें। ऐसा आप १० मिनट तक कर सकते हैं। शुरूआत में १० स्क्वाट करें और फिर धीरे-धीरे 12-15 तक ले जाएं।

लंज : लंज एक्सरसाइज के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधे खड़े होकर अपने दाएं पैर को आगे बढ़ाएं और उसको घुटनों से मोड़ते हुए ९० डिग्री का कोण बनाएं। अब बायां पैर पीछे के ओर सीधा करें और दोनों पैरों के बीच में कम से कम दो-तीन फीट की दूरी कायम करें। कुछ सेकेंड इसी स्थिति में रहने के बाद खुद को ऊपर की ओर उछालें। इससे आप प्रारंभिक स्थिति में आ जाएंगे। इसी तरह दोनों पैर से 12-15 रेप्स करें।

पुश-अप्स : बिना वजन वाली स्ट्रेंथ ट्रेनिंग वाली एक्सरसाइज में पुश-अप्स भी शामिल है। पुश-अप्स एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठ जाएं, फिर अपने पैरों को पीछे की ओर सीधा करके हाथों और पंजों पर पूरे शरीर का भार डालें। अब कोहनी को मोड़ें और सीने को फर्श के पास लाएं, फिर धीरे-धीरे ऊपर उठें। अच्छे परिणाम के लिए ऐसा कम से कम १० बार तो जरूर करें।

बालों के लिए फायदेमंद है सेब का सिरका, ऐसे अपने हेयर केयर रूटीन में करें शामिल

बालों को खूबसूरत बनाने की चाह में लोग न जाने कितने केमिकल्स युक्त प्रोडक्ट्स को अपने हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बना लेते हैं लेकिन इनसे बालों को नुकसान पहुंच सकता है। अगर आप अपने बालों को खूबसूरत और स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं तो इसके लिए सेब के सिरके का इस्तेमाल करना बेहतरीन है। आइए जानते हैं कि सेब के सिरके को किन तरीकों से हेयर केयर रूटीन में शामिल करके आप इसके भरपूर फायदे पा सकते हैं।

सेब के सिरके का हेयर सीरम बनाकर करें इस्तेमाल : इसके लिए एक ड्रॉपर वाली बोतल में एक चौथाई कप सेब का सिरका ए दो बड़ी चम्मच नारियल का तेलए ढाई चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच विटामिन.ई ऑयल डालें और बोतल को बंद करके अच्छी तरह से हिलाएं ताकि सारी सामग्रियां अच्छे से मिल जाएं। ऐसे सेब के सिरके का हेयर सीरम तैयार हो जाएगा। आप चाहें तो इसमें सुगंध लाने के लिए अपने पसंदीदा एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं।

बतौर हेयर कंडीशनर करें इस्तेमाल : आप चाहें तो सेब के सिरके की मदद से नैचुरल हेयर कंडीशनर तैयार कर सकते हैं। बस इसके लिए आपको एक कटोरी में एक कप पानी के साथ दो बड़ी चम्मच सेब के सिरके को अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण से अपने बालों को धोकर शैंपू से धो लें। इसके बाद ठंडे पानी से एक बार फिर बाल धो लें। इस मिश्रण के इस्तेमाल से बाल नैचुरल तरीके से मजबूत और सिल्की होते हैं।

बालों को पोषित करने का कर सकता है काम : सेब के सिरके के हेयर मास्क से बालों को पोषित करने में काफी मदद मिल सकती है। अगर आपके बाल तैलीय प्रकार के हैं तो सेब के सिरके के साथ दही को मिलाकर इसे सिर पर अच्छे से लगाएं और लगभग ३० से ४० मिनट के बाद सिर को पानी से धो लें। वहीं अगर आपके बाल रूखे प्रकार के हैं तो सेब के सिरके और बादाम के तेल का हेयर मास्क बनाकर उसका इस्तेमाल करें।

स्कैल्प के लिए है कारगर : सेब के सिरके के इस्तेमाल से न सिर्फ स्कैल्प के तैलीय प्रभाव को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है बल्कि इसके एंटी.सेप्टिक और रोगाणुरोधी गुण रूसी और स्कैल्प के दानों को भी कम कर सकते हैं। ये लाभ पाने के लिए एक कटोरी में एक चम्मच सेब का सिरका और दो चम्मच गुनगुना एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल या नारियल का तेल मिलाएं। फिर इसे अच्छे से बालों में लगाकर रातभर के लिए छोड़ दें। (आरएनएस)

सुपर मार्केट से जुड़े इन भ्रमों को सही मानते हैं लोग, जानिए इनकी सच्चाई

घर का राशन खरीदना हो या फिर फल और सब्जियां, सुपर मार्केट एक ऐसा वन स्टॉप है, जहां आपको कई तरह की चीजें सही दाम में मिल सकती है। हालांकि जैसे-जैसे सुपर मार्केट में तरह-तरह की चीजों की वैरायटी बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे लोगों के मन में इससे जुड़े कई भ्रम घर करते जा रहे हैं, लेकिन इनकी सच्चाई कुछ अलग ही है। आइए सुपर मार्केट से जुड़े कुछ सामान्य भ्रमों और उनकी सच्चाई जानते हैं।

भ्रम- थोक में सामान लेना सस्ता पड़ता है

कई लोगों का मानना है कि थोक में सामान लेना सस्ता पड़ता है, जबकि ऐसा नही है। दरअसल, थोक में खरीदी जाने वाली चीजे भले ही आपको दाम में सस्ती लगे, लेकिन उनका उनकी एक्सपायरी डेट आदि खत्म होने पर होती है और इसके कारण उनमें से कई चीजों का इस्तेमाल भी समय से नहीं हो पाता।

एक अध्ययन के अनुसार, थोक खरीदारी की तुलना में अधिकांश वस्तुओं की लागत कम होती है।

भ्रम- सफेद अंडे की तुलना में भूरे अंडे स्वास्थ्यवर्धक होते हैं

यह भी एक भ्रम है कि सफेद अंडे की तुलना में भूरे अंडे स्वास्थ्यवर्धक होते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। सुपर मार्केट में आपको अंडों की दो तरह (सफेद और भूरे) की वैरायटी जरूर मिलेगी, लेकिन इनमें से भूरे रंग के अंडे स्वास्थ्यवर्धक होते है और सफेद अंडे नहीं, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। इन दोनों अंडों में सिर्फ रंग का फर्क होता है और पोषक तत्वों के मामले में दोनों रंग के अंडे बराबर होते हैं।

भ्रम- फ्रोजन फूड में पोषक तत्व नहीं होते हैं

यह भी सिर्फ एक भ्रम है कि फ्रोजन फूड में पोषक तत्व नहीं होते हैं और यह बात सच से कोसों दूर है। फ्रोजन फूड की कई वैरायटी में पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। हालांकि यह बात सच है कि फ्रेश फूड की तुलना में फ्रोजन फूड स्टोर करने के दौरान अपने कुछ पोषण खो देते हैं, लेकिन फ्रोजन फूड में पोषक तत्व होते ही नहीं है, यह बात सच नहीं है। (आरएनएस)

जयम रवि के साथ निर्देशक कल्याण कृष्णन की फिल्म का शीर्षक होगा अगिलन

निर्देशक कल्याण कृष्णन की आगामी फिल्म में अभिनेता जयम रवि मुख्य भूमिका में हैं, जिसका नाम अगिलन रखा गया है। स्क्रीन सीन मीडिया एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित फिल्म के निर्माताओं ने न केवल इसका शीर्षक बल्कि इसका पहला लुक भी जारी किया।

स्क्रीन सीन मीडिया, (जिसे इरुद्दू, धरला प्रभु और एमजीआर मगन जैसी फिल्मों के निर्माण के लिए जाना जाता है) ने जयम रवि के साथ तीन फिल्मों का करार किया था। इन तीनों में से पहली फिल्म अगिलन है, जिसे अब तक जेआर28 के नाम से जाना जाता था।

फिल्म की यूनिट से जुड़े सूत्रों का कहना है कि फिल्म भारी बजट में बन रही है।

सूत्रों का कहना है कि फिल्म में जयम रवि की भूमिका उनके करियर में अपनी तरह की पहली भूमिका होगी और यह भी कहा कि प्रिया भवानी शंकर और तान्या रविचंद्रन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

एक बंदरगाह की पृष्ठभूमि में सेट, फिल्म के प्रमुख हिस्से को थूथुकुडी बंदरगाह में शूट किया गया है। सूत्रों का कहना है कि कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों को चेन्नई के कासिमेदु में फिल्माया गया है और करीब ८० प्रतिशत शूटिंग खत्म हो चुकी है।

फिल्म का सिर्फ एक शेड्यूल बचा है। सूत्रों का कहना है कि यह गुजरात के सबसे बड़े कंटेनर बेस पर होगा। विवेक फिल्म के सिनेमैटोग्राफर हैं, जिसका संगीत सैम सीएस ने दिया है।

शब्द सामर्थ्य -129

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

1	2	■	3		4	■	■	■
5				■	6		7	8
■		■	9			■	10	
■		■		■	11	12		
13				■	14		■	■
	■	■	■	■	■	15		16
	■	17		18			■	
19			■		■	■	20	
■	■	21					■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 128 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

नेहा धूपिया भी हुई एमटीवी रोडीज से बाहर

काफी समय से एमटीवी रोडीज का नया सीजन सुर्खियां बटोर रहा है। हालांकिए इस बार यह अपने होस्ट को लेकर ज्यादा चर्चा में है। दरअसलए रोडीज से अब रणविजय सिंह का पत्ता कट गया है और उनकी जगह इसमें सोनू सूद को लिया गया है। अभी तक दर्शक इस खबर से उदास थे कि अब नेहा धूपिया भी शो से अलग हो गई हैं। उन्होंने खुद इस खबर की पुष्टि कर ली है।

नेहा ने कहा, मैं रोडीज के इस सीजन का हिस्सा नहीं हूं। दुर्भाग्यवश मैं शो से नहीं जुड़ रही हूं क्योंकि काफी चीजें बदल गई हैं और यह मेरे और चैनल के बीच की बातें हैं। नेहा पिछले पांच सालों से इस शो की मेंटर और गैंग लीडर रही हैं। प्रिंस नरूला संग उनकी फाइट भी खूब चर्चा में रही है। नेहा को शो में दर्शकों ने बेहद पसंद किया और अब आखिरकार उन्होंने भी इसे अलविदा कह दिया है।

शो को 18 साल तक होस्ट करने वाले रणविजय को लेकर पिछले दिनों नेहा ने कहा था यह सुनकर मेरा दिल बहुत टूटा। मैंने शो में आधा शतक बिताया है। मुझे पता है कि सोनू शो को होस्ट करेंगे जो मेरे अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने कहा पता है कि वह अच्छा काम करेंगे लेकिन शो का हिस्सा बनने से पहले मेरा रोडीज देखने का एक कारण रणविजय भी थे। मैंने उनके साथ बिताए हर पल का लुत्फ उठाया है।

नेहा 2016 में एमटीवी रोडीज की गैंग लीडर बनी थीं। इससे उन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। नेहा कई टीवी शोज का हिस्सा रहीं। उन्होंने कॉमेडी सर्कस और बीएफएफविद वोग को होस्ट किया। वह शो छोटे मियां धाकड़ से बतौर जज जुड़ चुकी हैं। एमटीवी रोडीज के आने वाले यानी 19वें सीजन को एक नया प्रोडक्शन हाउस बना रहा है। नए सीजन की शूटिंग 14 फरवरी से साउथ अफ्रीका में शुरू हो गई है। मार्च तक शो को टेलिकास्ट कर दिया जाएगा। सोनू सूद इस शो का नया चेहरा होंगे। हालांकिए उन्हें केवल एक साल के लिए साइन किया गया है। शो के फॉर्मेट में भी कई बदलाव किए गए हैं। चर्चा है कि इसमें दूसरे गैंग लीडर प्रिंस नरूला भी दिखाई नहीं देंगे।

एमटीवी रोडीज छोटे पर्दे का लोकप्रिय एडवेंचर रियलिटी शो है। 2003 में इस शो की शुरुआत हुई थी। यह भारत के सबसे लंबे समय तक चलने वाले रियलिटी शोज में से एक है। इस शो के पहले सीजन को सइरस साहूकार ने होस्ट किया था। रणविजय सिंह पहले सीजन के विजेता थे। इसके बाद वह शो के होस्ट और फिर गैंग लीडर बने। पिछले सीजन के विजेता हामिद बर्कीजी थे। रोडीज खासतौर पर युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है।(आरएनएस)

अपनी पहली ही मूवी से पहचान बना चुकी है इशिता राज शर्मा

इशिता सोशल मीडिया पर बहुत अधिक पॉपुलर हैं.उनकी फोटोज भी हमेशा ही सुर्खियों में बनी रहती है.वो हमेशा ही अपने इंस्टाग्राम से अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें साझा करती रहती हैं.रिपोर्ट्स के अनुसार इशिता राज शर्मा को बॉलीवुड में उनकी पहली मूवी से ही पहचान मिल चुकी है.उन्होंने प्यार का पंचनामा में एक दमदार और बोल्ड रोल भी प्ले किया था.जिसके साथ उन्हें बॉलीवुड में एक बाद एक कई मूवीज में काम भी किया सभी फिल्मों में उनके हॉट अवतार की अधिक चर्चाएं हुईं.

उन्होंने अपनी पढ़ाई दिल्ली में पूरी की और बाद में वो इंग्लैंड में पूरी की.फिर वो भारत लौटी और बॉलीवुड मूवीज में अपना लक आजमाया.ख़बरों की माने तो इशिता सोशल मीडिया पर बहुत अधिक पॉपुलर हैं.उनकी फोटोज को भी बहुत ही ज्यादा पसंद किया जा रहा है.वो हमेशा अपने इंस्टाग्राम से अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें भी साझा कर रही है.

इशिता ने मूवी प्यार का पंचनामा के बाद मेरठिया गैंगस्टर्स में भी नज़र आ चुकी है.फिर उन्हें लव रंजन की प्यार का पंचनामा 2 में भी काम करने का अवसर भी मिला था.वो इसके बाद सोनू की टीटू की स्वीटी में दिखाई दी. हम बता दें कि उन्हें आखिरी बार जय मम्मी दी में एक गेस्ट रोल करते हुए भी देखा जा चुका है.जिसके उपरांत वो किसी फिल्म में दिखाई नहीं दी.लेकिन सोशल मीडिया पर वो अपने फैंस के लिए अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं.उनकी इन तस्वीरों पर खूब लाइक्स और कमेंट्स भी आते हैं.

रेहाना पंडित से शादी की योजना पर जीशान खान ने की बात

बिग बॉस ओटीटी फेम जीशान खान ने लोकप्रिय मॉडल और अभिनेत्री रेहाना पंडित से शादी करने की अपनी योजना के बारे में बात की। वह कहता है, अभी मैं अभी भी अपने आप पर काम कर रहा हूं। मुझे अभी भी बहुत लंबा रास्ता तय करना है। और यहां तक कि रेहाना भी अभी अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसलिए मुझे लगता है कि अभी के लिए हम दोनों एक.दूसरे का निर्माण कर रहे हैं। लेकिन हां अगर भविष्य में ऐसा ही चलता रहा तो वह वह लड़की है जिसके साथ मैं निश्चित रूप से शादी करना पसंद करूंगा। अभिनेता ने मई 2021 में अपनी कुमकुम भाग्य की सह.अभिनेता रेहना पंडित को डेट करना शुरू कियाए जब दोनों गोवा में अपने शो की शूटिंग कर रहे थे। जीशान का कहना है कि वह उससे प्यार करता है क्योंकि वह सकारात्मकता और आशावाद से भरी है। वह कहता हैरू उसके बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह मुझे मन की शांति देती है, वह कभी भी मेरे दिमाग या मेरे आस.पास के माहौल को तनावग्रस्त नहीं होने देती है। (आरएनएस)

जल्द आएगी अजय देवगन की सिंघम 3, अभिनेता ने दिया हिंट

फिल्ममेकर रोहित शेट्टी अपनी कॉप यूनिवर्स फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। दर्शक काफी समय से रोहित की सिंघम फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म सिंघम 3 का इंतजार कर रहे हैं। इस फ्रेंचाइजी की फिल्मों का निर्देशन रोहित ने ही किया है। अब अजय देवगन ने सिंघम 3 को लेकर सोशल मीडिया पर एक बड़ा हिंट दिया है। उन्होंने इशारों.ही.इशारों में बता दिया है कि वह इस फिल्म में नजर आने वाले हैं।

अजय ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया हैए जिसमें उन्होंने कुछ सवालों के जवाब दिए हैं। इस वीडियो में उनसे पूछा गया कि क्या वह एक फिल्म का रीमेक बनाना चाहेंगे या एक सीक्वल में काम करेंगे। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहाए एक सीक्वल बनाएंगे। इसके बाद उन्होंने अपनी तीन अंगुलियों को ऊपर की ओर करके इशारा कियाए जिसे फैंस सिंघम 3 से जोडक़र देख रहे हैं।

जैसे ही अजय ने अपनी तीनों अंगुलियों से हिंट दियाए बैकग्राउंड में सिंघम का टाइटल ट्रैक सुनाई दिया। इस अभिनेता ने अपने ही अंदाज में सिंघम 3 को लेकर दर्शकों को आगाह कर दिया है। वीडियो में उनसे यह भी पूछा गया कि वह सुपरहीरो या सुपरविलेन में से कौन सा किरदार निभाना पसंद करेंगे। इसके जवाब में उन्होंने सुपरविलेन कैरेक्टर पर अपनी मुहर लगाई। मतलब साफहै कि अजय सुपरविलेन का किरदार निभाना चाहते हैं।

अभिनेता अजय का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। फैंस अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने अपने कमेंट में लिखाए हे भगवान! क्या आपने अभी खुलासा किया है कि सिंघम 3 बन रही है एक अन्य यूजर ने लिखाए फिल्म सिंघम 3 आ रहा है अजय सर। देवगन फिल्म्स की लेखिका और सीईओ मीना अय्यर ने भी अजय की रील पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

साल के अंत तक सिंघम 3 की शूटिंग शुरू होगी। हाल में रोहित ने कहा थाए हमारे पास कहानी को लेकर बेसिक आइडिया हैए लेकिन फाइनल ड्राफ्ट तैयार नहीं हुआ है। सिंघम 3 बहुत आगे का काम है। पहले सर्कस का काम खत्म करना है। सिंघम फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म सिंघम 2011 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह साउथ की इसी नाम से बनी फिल्म की हिन्दी रीमेक है। फिल्म में अजय के अलावा प्रकाश राज और अभिनेत्री काजल अग्रवाल नजर आई थीं। इस सीरीज की दूसरी फिल्म सिंघम रिटर्न्स 2014 में रिलीज हुई थी। इसमें अजय के साथ करीना कपूर और अनुपम खेर दिखे थे। इस फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।(आरएनएस)

मै ऋतिक के साथ घर बसाना चाहती हुं:गायत्री भारद्वाज

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन आजकल अपने अफेयर को लेकर चर्चाओं का हिस्सा बने हुए हैं। आप सभी को बता दें कि इन दिनों अभिनेता को सबा आजाद के साथ डिनर डेट पर स्पॉट किया जा रहा है। ऋतिक और सबा को एक-दूसरे का हाथ थामे हुए वीडियोज भी वायरल हुएए जिसके बाद दोनों के अफेयर को लेकर कयास लगाए जाने लगे हैं। अब इन सभी के बीच एक हसीना ने ऋतिक के साथ शादी करने की इच्छा जाहिर की है। जी दरअसल आज हम बात कर रहे हैं मिस इंडिया गायत्री भारद्वाज की।

गायत्री ने बताया कि वह ऋतिक रोशन से शादी करना चाहती हैं। वहीं जब उनसे पूछा गया कि वह किसे डेट और शादी करना चाहती हैं तो उन्होंने जवाब में कहा मैं सिद्धांत चतुर्वेदी को डेट करना चाहती हूं। हालांकि मुझे नहीं पता है कि वह सिंगल है या नहीं। इसी के साथ आगे गायत्री ने कहा जहां तक शादी की बात है तो मैं ऋतिक रोशन के साथ शादी करना चाहूंगी। मुझे लगता है कि ऋतिक एक बार फिर सेटल होने के लिए तैयार हैं। वह मेरे बचपन का क्रश हैं। गायत्री ने बताया कि प्रियंका चोपड़ा उनकी फेवरेट एक्ट्रेस हैं। वहीं जब उनसे पूछा गया कि वह किस सेलिब्रिटी की बायोपिक करना चाहती हैं तो उन्होंने प्रियंका चोपड़ा का नाम लिया है। जी दरअसल उन्होंने कहाए मैं प्रियंका चोपड़ा की बायोपिक करना पसंद करूंगी। मुझे लगता है कि उन पर बायोपिक बनने की जरूरत है। वह बहुत प्रेरणादायक महिला हैं। आप सभी को बता दें कि इस दौरान गायत्री ने अपने बॉलीवुड प्रोजेक्ट का भी खुलासा कर दिया।

उन्होंने कहा मेरी एक फिल्म है जो अगले कुछ महीनों में रिलीज होने वाली है। हम सिनेमाघरों में उसकी रिलीज की उम्मीद कर रहे हैं। ये मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म होगी और इसे लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

बड़े मियां छोटे मियां में टाइगर श्रॉफ के साथ फिर दिखेंगी श्रद्धा कपूर

फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। हाल में खबर आई थी कि इस फिल्म में पहली बार टाइगर अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे। फिल्म को वाशु भगनानी बना रहे हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि बागी 3 में टाइगर की को-स्टार रहीं श्रद्धा कपूर उनके साथ नजर आएंगी। ऐसे में टाइगर के साथ श्रद्धा को एक बार फिर पर्दे पर देखना रोमांचकारी अनुभव होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, बड़े मियां छोटे मियां में एक बार फिर टाइगर और श्रद्धा एक साथ नजर आएंगे। एक सूत्र ने कहा, यह एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट होगा। ऐसा लगता है कि जैसे इस प्रोजेक्ट में कलाकारों का रीयूनियन हो सकता है। श्रद्धा अपने बागी 3 के सह-कलाकार टाइगर के साथ एक बार फिर इस फिल्म में शामिल हो सकती हैं। हालांकि, इसको लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

श्रद्धा और टाइगर दोनों बागी 3 और बागी में साथ काम कर चुके हैं। बागी 3 2020 में रिलीज हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 140 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म में दिशा पटानी और अंकिता लोखंडे भी नजर आई थीं। बागी ने 521 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इस फिल्म में सुधीर बाबू और रितेश देशमुख भी नजर आए थे। उम्मीद है कि दोनों की पिछली फिल्मों की तरह बड़े मियां छोटे मियां भी हिट रहेगी।

टाइगर और श्रद्धा दोनों के पिता बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता हैं। इन दोनों के बीच बचपन से दोस्ती रही है। यही वजह है कि उनकी बॉन्डिंग स्क्रीन पर अच्छी दिखती है। वे जल्द इस प्रोजेक्ट को साइन कर सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर हैं, जो फिल्म को 300 करोड़ रुपये के बजट में बनाने वाले हैं। इस लिहाज से यह अब तक की बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल हो जाएगी। इसके लिए अक्षय 140-150 करोड़ रुपये तो टाइगर 35-40 करोड़ रुपये की फीस ले रहे हैं। मतलब यह कि फिल्म का लगभग 60 प्रतिशत बजट केवल कलाकारों की फीस पर जा रहा है।

1998 में रिलीज हुई कॉमेडी एक्शन फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में अमिताभ बच्चन और गोविंदा की जोड़ी खूब पसंद की गई थी। फिल्म में दोनों ने डबल रोल किया था। हालांकि, वाशु भगनानी की यह फिल्म रीमेक नहीं है।

टाइगर जल्द ही फिल्म हीरोपंती 2 में दिखाई देंगे। वह फिल्म गणपत को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसके अलावा टाइगर बागी 4 में भी दमदार एक्शन करते दिखेंगे। श्रद्धा रणबीर कपूर अभिनीत लव रंजन की अगली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। पंकज पराशर की फिल्म चालबाज इन लंदन में भी वह अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। साथ ही उन्हें अमर कौशिक की स्त्री 2 में भी देखा जाएगा। इसमें राजकुमार राव लीड रोल में हैं।

किसान के खेत से गुजरेगी आत्मनिर्भरता की राह

देविंदर शर्मा

ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत बनाने वाले नज़रिये की राह किसान के खेत से होकर गुजरती है। प्रधानमंत्री की देश के लिए अगले 25 सालों की दृष्टि, जिसको 'अमृतकाल' कहा गया है, जो कि आज़ादी की 100वीं वर्षगांठ के लक्ष्यों से जुड़ा है, लगता है कि इसमें कृषि को अपेक्षित महत्व नहीं मिला।

वर्ष 2020 में बजट प्रस्तुत करते समय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खेती में जान फूंकने को 16 सूत्रीय कार्ययोजना बताई थी। जहां इसमें किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया गया था वहीं उनके भाषण का ज्यादा जोर मंडी , उदारीकरण, कृषि-भूमि लीज़ कानून और अनुबंध-खेती पर रहा था, जिसका सीधा मंतव्य कॉर्पोरेट-कृषि व्यवस्था का रास्ता प्रशस्त करना था। बजट के इस अभिभाषण के चंद महीने बाद कृषि और मंडी सुधारों के नाम पर तीन विवादित कृषि कानून लाये गए, जिसका विरोध करने हेतु हजारों किसानों ने दिल्ली की दहलीज़ पर धरना दिया। लगभग साल भर चले किसान आंदोलन ने अंतत: सरकार को इन्हें वापस लेने को मजबूर किया।

संयोगवश किसानों का यह अभूतपूर्व धरना उस वक्त चला जो कोविड-19 का सबसे तीव्र प्रकोप वाला काल भी रहा। इस दौरान सख्त लॉकडाउन प्रतिबंधों की वजह से देश की आर्थिक विकास दर सिकुड़कर 2021-22 में 6.6 प्रतिशत रह गई। हताश कर देने वाले इस माहौल में कृषि और इससे संबंधित क्षेत्र की गतिविधियां ही एकमात्र अपनी जगह टिकी रहीं और अर्थव्यवस्था में सबसे चमकता सितारा बनकर उभरीं। वर्ष 2020-21 के वित्तीय सर्वे के मुताबिक, कृषि में 3.6 फीसदी की वृद्धि हुई। इसके बाद आई कोविड महामारी की दूसरी लहर, जो सबसे घातक थी और फिलहाल अपेक्षाकृत कम तीव्रता वाली तीसरी लहर चल रही है। लेकिन तब भी कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों ने एक बार पुन: बढ़िया प्रदर्शन कर दिखाया। 2021-22 में यह पिछले साल के मुकाबले और प्रभावशाली यानी 3.9 प्रतिशत रही।

कृषि क्षेत्र, जो देश का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है, उसका हिस्सा राष्ट्र की जीवीए (ग्रॉस वैल्यू एडेड) में 18.8 फीसदी रहा। वित्तीय सर्वे इस प्रदर्शन को किसानों की आय दोगुनी करने वाली कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप बता रहे हैं। इस बात के मद्देनजर कि 2022 वह साल है, जिस तक सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का ध्येय रखा था। इसके अलावा ऐसे समय में जब बाकी सब क्षेत्र पस्त हुए पड़े थे, जिन्हें आर्थिकी का पहिया कहा जाता है, इसके बावजूद कृषि ने असाधारण प्रदर्शन कर दिखाया। ऐसे में उम्मीद तो यह थी कि वित्तमंत्री 2022 के बजट में ऐसी घोषणाएं करतीं, जो न केवल खेती को बढ़ावा देने वाली बल्कि इस सख्त मेहनत के लिए किसानों की पीठ थपथपाने वाली होतीं। किंतु हैरानी की बात है कि इसमें किसानों की आय दोगुनी करने वाले बहुप्रचारित वादे का जिक्र तक नहीं है। आशा थी कि वित्तमंत्री यह बताएंगी कि इस ध्येय प्राप्ति में कितना पा लिया गया है। बाकी के लिए और कितने समय की जरूरत है।

नोबेल पुरस्कार विजेता नॉरमैन बर्लोग ने एक दफा कहा था कि हमें उसको उत्साहित करने की जरूरत होती है जो सबसे तेज भाग रहा होता है। जब कृषि क्षेत्र ने इतना बढ़िया कर दिखाया है तो कम से कम इतनी उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री-किसान सम्मान निधि योजना की राशि को दोगुना करके कृषक को मिलने वाली सीधी आय बढ़ाते। यह तरीका कृषक की कुछ भरपाई करने और धन्यवाद करने का सबसे आसान उपाय होता। जब से यह योजना वर्ष 2018 से शुरू हुई है, भूमि-मालिक किसान को 6,000 रुपये प्रति वर्ष मिलते हैं। इसको आसानी से बढ़ाकर 12,000 रुपये किया जा सकता था और साथ ही भूमिहीन कृषक को भी 6,000 रुपये दिए जाते, जिन्हें फिलहाल लाभार्थी मूल्य से बाहर रखा हुआ है। जहां इस साल भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के लिए बजट की मद पिछले वर्ष जितनी 68,000 करोड़ रखी गई है, वे चाहते तो किसानों की सीधी आय से मदद करने को यह 1 लाख करोड़ की जा सकती थी।

सिचुएशन एसेस्मेंट सर्वे फॉर एग्रीकल्चर हाउस होल्ड्स की नवीनतम रिपोर्ट-2019 (लॉकडाउन से पहले तक) बताती है कि औसतन कृषि-आय (इसमें गैर-कृषक गतिविधियां भी शामिल हैं) - प्रति माह 10,286 रुपये बैठती है। यदि कुल आमदनी का वर्गीकरण कर विश्लेषण किया जाए तो केवल फसलों से होने वाली आय रोजाना महज 27 रुपये बैठती है। इससे स्पष्ट है कि देश में कृषि संत्रास क्यों कायम है। इसके पीछे मुख्य वजह उत्पादन में कमी होना नहीं बल्कि किसान की फसल का लगाया जाना वाला मूल्य जान-बूझकर कम रखना है। कृषक का हक बनती कीमत सुनिश्चित करके निश्चिंत हो जाएं क्योंकि बाकी वह जानता है कि कौन-सी तकनीक इस्तेमाल करनी है।

सरसों का उदाहरण लें, जहां इस बार का बाजार भाव पिछले साल रखे गए न्यूनतम समर्थन मूल्य 4,650 (इस साल यह 5050 रुपये) से बहुत तेज यानी 7,000 रुपये प्रति क्विंटल रहा है, लिहाजा रबी फसल चक्र में अभी तक 1 लाख हेक्टेयर रकबे में सरसों की बिजाई होने की खबर है। रोचक कि यह क्षेत्रफल कृषि मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए लगाए अनुमानों से भी ज्यादा है। जाहिर है कि इस साल सरसों का रिकॉर्ड उत्पादन होने जा रहा है। यह प्राप्ति बिना किसी उच्च तकनीक और डिजिटल तंत्र के होगी।

यहां महत्वपूर्ण सबक लेने को है कि उचित मूल्य वह सर्वश्रेष्ठ प्रोत्साहन है, जिसकी दरकार किसान को है। लेकिन खाद्य-स्फीति नियंत्रण में रहे, यह सुनिश्चित करने को कृषि उत्पाद मूल्य जान-बूझकर नीचे रखा जाता है। इसका मतलब है कि यह किसान ही है जिसे खाद्यान्न मूल्य कम रखने का असल खमियाजा भुगतना पड़ता है और इसकी भरपाई करने की जरूरत है। इसीलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कृषि उत्पाद की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर न होने पाये। लेकिन बजट-2022 इस बारे में खामोश है।

कृषि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बने इस हेतु सबसे बढ़िया उपाय है खेती को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाना। यह तभी संभव है जब अगले 25 सालों के लिए बनाई गई रूप-रेखा में किसान को फसल की यथेष्ट कीमत और मौजूदा कृषि मंडी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। नई तकनीकों की आमद बेशक स्वागतयोग्य है, जिसमें ड्रोन और अगली पीढ़ी की डिजिटल तकनीक का उपयोग भी शामिल है लेकिन भारतीय कृषि, जो कि देश में सबसे बड़ी रोजगार प्रदाता है, का भविष्य अधिक सार्वजनिक निवेश और खेती में लिप्त विशाल मानव बल के लिए सही सार्वजनिक नीतियों पर टिका है। इसका उद्धार कॉर्पोरेट-कृषि व्यवस्था लाकर नहीं होगा। लोगों को कृषि से विमुख करने की बजाय, जैसा कि कुछ अर्थशास्त्री सुझाव देते हैं, 'अमृत-काल' के बड़े पैमाने के सुधारों की प्राप्ति कृषि क्षेत्र और किसानी को सुदृढ़ करके होगी।

लेखक कृषि एवं खाद्य मामलों के विशेषज्ञ हैं।

सू- दोकू क्र.129

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.128 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

हादसों के आशियाने

गुरुग्राम में एक बहुमंजिला इमारत में दोषपूर्ण निर्माण तकनीक व घटिया सामग्री के चलते जन-धन की जो क्षति हुई हैए उसने ऐसी इमारतों में रहने वाले लोगों को भय से भर दिया। घटना ने बहुमंजिला इमारतों का निर्माण करने वाले बिल्डरों की साख को सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है।

गुरुग्राम स्थित 18 मंजिला चिंटल्स पैराडिसो सोसायटी की छठी मंजिल की बैठक की छत ऐसी गिरी कि उसका वजन नीचे की मंजिलें सहन नहीं कर पायीं। वे एक.एक करके गिरती चली गईंए जिसमें जानमाल का नुकसान हुआ। कई घर मलबे में तब्दील हो गये और कई क्षतिग्रस्त हो गये। स्वप्निल लोक के आकर्षक विज्ञापनों से खरीददारों को ललचाने वाले बिल्डरों की हकीकत इस हादसे में बेनकाब हो गई। निश्चित रूप से जीवन की जमा पूंजी व बैंकों आदि से लोन लेकर सुकून के लिये आशियाना खरीदने वाले लोग अब भयभीत होंगे। निर्माण की गुणवत्ता ने उनके मन में आशंका भर दी है कि कहीं भविष्य में किसी हादसे की पुनरावृत्ति न हो जाये। यह इमारत ही नहींए देश के तमाम महानगरों में बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोग इस हादसे के बाद आतंकित होंगे कि कहीं उन्हें भी ऐसी स्थितियों से न गुजरना पड़े। निस्संदेह निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का संदेह उन्हें परेशान करता है। हकीकत भी है कि जिन विभागों के पास इन बहुमंजिला इमारतों के निर्माण सामग्री व डिजाइन की गुणवत्ता परखने की जिम्मेदारी हैए वे आपराधिक चुप्पी ओढ़कर खामोश हो जाते हैं। अक्सर इन बहुमंजिला फ्लैटों में घर के खरीददार मकान में दरार आनेए संरचना में खोट या पाइप लीक होने जैसी शिकायतें करते रहते हैं। अब हादसे के बाद चिंटल्स पैराडिसो के बिल्डर को गिरफ्तार किया गया है। काश! इस मामले में तब कार्रवाई की गई होती जब कुछ महीने पहले इमारत में रहने वाले लोगों ने एक बालकनी के एक हिस्से के टूटने की शिकायत की थी। बिल्डर ने नये सिरे से गुणवत्ता की खामियों पर समय रहते ध्यान दिया होता तो शायद यह हादसा टाला जा सकता था।

निस्संदेहए इस हादसे के बाद तमाम ऐसी बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोगों की नींद उड़ गई होगी। अब उनकी आकांक्षा होगी कि उनके टावरों की सभी संरचनाओं की गुणवत्ता की सख्ती से जांच की जाये। साथ ही इन निर्माण कार्यों से जुड़ी नियामक संस्थाओं की जवाबदेही बनती है कि सभी आवासीय व वाणिज्यिक इमारतों में संरचना गुणवत्ता की नये सिरे से जांच की जाये। इसके अलावा खरीददारों की जान जोखिम में डालने वाले बिल्डरों के लिये सख्त दंड का भी प्रावधान हो। निस्संदेह यह मुनाफाखोर बिल्डरों व संदिग्ध अधिकारियों की मिलीभगत उजागर होने का पहला मामला नहीं है। अतीत में यदि सख्त दंड की नजीर पेश की गई होती तो ऐसे हादसे दुबारा नहीं होते। हादसे के बाद कुछ समय तक मामले के गर्म रहने के बाद प्रकरण को ठंडे बस्ते में डालने की पुनरावृत्ति भी नहीं होनी चाहिए। हालांकिए हरियाणा सरकार ने मामले की जांच की बात कही हैए लेकिन जांच को तार्किक परिणति तक पहुंचाने की भी जरूरत है। सवाल यह भी है कि बहुमंजिला भवनों के निर्माण में गुणवत्ता की जांच करने वाले महकमों की जिम्मेदारी कैसे तय की जाये ताकि भवनों के डिजाइनए तकनीक व निर्माण सामग्री मानकों पर खरे उतर सकें। साथ ही बहुमंजिला रिहायशी इमारतों के नक्शे पास करनेए मंजिलों के निर्धारणए निर्माण सामग्री व सुरक्षा से जुड़े तमाम पहलुओं के राष्ट्रीय मानकों को सख्त बनाने की जरूरत भी है। राष्ट्रीय राजधानी व अन्य महानगरों में बहुमंजिला इमारत बनाने वाली चिंटल्स पैराडिसो के गुणवत्ता मानकों का ये आलम है तो शेष देश में निर्माण कार्य की गुणवत्ता की क्या हालत होगीए सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। उपभोक्ता संगठन भी सजग हों ताकि चमकीले विज्ञापनों में दर्शायी खूबियों के बजाय निर्माण की गुणवत्ता की परख हो। साथ ही कायदे.कानून ताक पर रखने वाले बिल्डरों की अनदेखी करने वाले जवाबदेह अधिकारियों पर भी शिकंजा कसने की जरूरत है। आखिर कब तक काहिल तंत्र लोगों की जान जोखिम में डालकर बिल्डरों को मनमानी की छूट देता रहेगा।(आरएनएस)

विधानसभा चुनाव 2022: हार-जीत पर चर्चा जारी

अल्मोड़ा (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव संपन्न हुए ६ दिन बीतने के बाद भी जीत– हार को लेकर चर्चाओं का सिलसिला थमा नहीं है अधिकांश प्रत्याशियों के समर्थक अपने–अपने प्रत्याशियों की जीत का दावा ठोक रहे हैं। महिला वोटरों की तादाद अधिक होने से विश्लेषक महिलाओं के वोटों को निर्णायक मान रहे हैं। द्वाराहाट विधानसभा में १० प्रत्याशियों ने अपना भाग्य आजमाया था लेकिन मुख्य मुकाबले में ३ प्रत्याशियों के समर्थक जीत का दावा ठोक रहे हैं बाजार की दुकानों, ग्रामीण क्षेत्रों में एक दूसरे से जानकारी हासिल कर चुनावी गणित लगाया जा रहा है तथा दूरभाष पर भी ग्रामीण क्षेत्रों से जानकारी जुटाई जा रही है। भले ही कांग्रेस, भाजपा व यूकेडी के प्रत्याशियों ने क्षेत्र में घूमकर जनता का धन्यवाद कर अपनी जीत की आस्वस्तता का इजहार भी किया जा चुका है लेकिन किस के सिर पर ताज बधेगा यह तो १० मार्च को ही तय होगा ।इस विधानसभा में कुल ४८०८४ वोट पढ़े जिसमें २७२६५ महिलाओं ने मतदान किया जबकि २०८१६ पुरुषों वोट पड़े हैं ,महिलाओं की खामोशी से पड़े वोटों को राजनीतिक विश्लेषक निर्णायक बता रहे हैं।

डंपर कारोबारियों की हड़ताल से गौला निकासी ठप

हल्द्वानी (आरएनएस)। स्टोन क्रशर संचालकों पर भाड़ा कम करने का आरोप लगाते हुए गोरापड़ाव गौला निकासी गेट के डंपर कारोबारियों ने रविवार को गौला से निकासी ठप कर दी। साथ ही लालकुआं स्टोन क्रशर पर बिक्री रोककर जमकर प्रदर्शन किया। डंपर कारोबारियों ने स्टोन क्रशर संचालकों पर पूर्व में समझौते के तहत ३० रुपए से भाड़ा २६ रुपए करने का आरोप लगाते हुए गोरापड़ाव गौला निकासी गेट पर जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। साथ ही लालकुआं स्टोन क्रेशर क्रेशर की बिक्री भी रुकवा दी। उन्होंने क्रशर संचालकों से भाड़ा बढ़ाने की मांग की। वहीं गोरापड़ाव गेट के ११३८ डंपर कारोबारियों ने काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी। प्रदर्शन करने वालों में प्रधान पति नवीन भट्ट, दरबान मेहरा, हरीश भट्ट, तारा बिष्ट, गणेश भट्ट, नरेश बिष्ट, गोविंद बल्लभ भट्ट, गंगा सिंह नेगी, भगवान बिष्ट, शेखर राठौर, गणेश जोशी, मोहन नागिला, लीलाधर भट्ट, पृथ्वीपाल पाठक, गोविंद बल्लभ भट्ट, भरत नगरकोटी, धामू बिष्ट, नरेंद्र राणा आदि रहे। इस दौरान गोरापड़ाव के वरिष्ठ डंपर कारोबारी गणेश भट्ट ने सभी कारोबारियों एकजुट होकर आंदोलन शुरू करने की अपील की है।

सीमांत की चार छात्राओं ने नेट परीक्षा पास की

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। सीमांत जिले की चार होनहार छात्राओं ने नेट जेआरएफ परीक्षा पास की है। इससे सीमांत क्षेत्र में खुशी का माहौल है। नगर के लिंठ्युड़ा क्षेत्र की रहने वाली नेहा सामंत ने अंग्रेजी विषय से नेट जेआरएफ में सफलता हासिल की है। वर्तमान में शोध कर रही नेहा बचपन से ही मेधावी रही हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, भाईयों व गुरुजनों को दिया है। उनके पिता ललित सामंत जिला न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। भाई गौरव सामंत कनालीछीना में चिकित्सक पद पर कार्यरत हैं। नगर के ही जगदंबा कॉलोनी निवासी ऋचा जोशी ने भी नेट जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार का नाम रोशन किया है। उन्होंने परीक्षा में ९६.६५ फीसदी अंक प्राप्त हुए हैं। वर्तमान में वह एलएसएम पीजी कॉलेज में अध्ययनरत हैं। ऋचा के पिता चिंतामणी जोशी शिक्षक हैं और माता इंद्रा जोशी गृहिणी हैं। पंचेश्वर क्षेत्र के पंथ्यूड़ा गांव के रहने वाले परमानंद पंत की पुत्री पल्लवी पंत ने पहले ही प्रयास में नेट जेआरएफ परीक्षा में सफलता पाई है। पल्लवी वर्तमान में बीएचयू से अर्थशास्त्र में एमए कर रही हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि ली है।

14 वर्षो से सीएचसी भिकियासैंण में अस्थि रोग विशेषज्ञ का पद खाली

अल्मोड़ा (आरएनएस)। सामुदायिक स्वास्थ केंद्र भिकियासैंण में बीते १४ वर्षों से अस्थि रोग विशेषज्ञ का पद रिक्त है। इससे मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हड्डी रोग से संबंधित मरीजों को उपचार के लिये रानीखेत, हल्द्वानी की दौड़ लगानी पड़ रही है। सीएचसी भिकियासैंण ३० हजार की जनसंख्या को स्वास्थ सुविधा देता है। लेकिन वर्षों से अस्पताल में अस्थि रोग विशेषज्ञ नहीं होने से हल्के प्लास्टर तक के लिये भी प्राइवेट अस्पताल जाना लोगों की मजबूरी है। गंभीर रोगी व दुर्घटना में हड्डी टूटने पर ५० से १५० किमी दूर रानीखेत या हल्द्वानी इलाज के लिये जाना पड़ता है। इससे लोगों काफी परेशान हैं। वहीं बीते एक वर्ष से सीएचसी पीपीपी मोड में संचालित हो रहा है। लेकिन इस व्यवस्था में भी अस्थि रोग विशेषज्ञ का पद नहीं दिया गया है। व्यापार संघ सचिव मदन मेहरा, सामाजिक कार्यकर्ता गोबिंद रावत ने जल्द से जल्द अस्थि रोग विशेषज्ञ की तैनाती की पुरजोर मांग की है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की मुलाकात, सौंपे ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधिमण्डल ने आज प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में मुख्य निर्वाचन अधिकारी से उनके कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन प्रेषित किये।

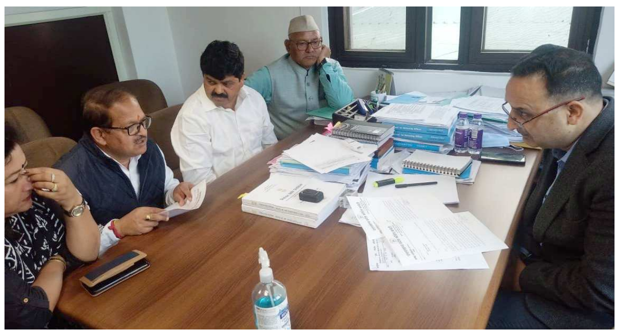

इस बात की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस महासचिव संगठन एवं वरिष्ठ प्रवक्ता मथुरादत्त जोशी ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपे गये ज्ञापन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आरोप लगाते हुए कहा है कि वर्तमान विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग द्वारा दिव्यांग, 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग एवं अशक्तजनों की सुविधा हेतु मतपत्रों की छपाई कर ऐसे मतदाताओं के घर पर जाकर मतदान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। साथ ही जो शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी चुनाव ड्यूटी पर तैनात किये गये थे उन्हें भी डाक मतपत्रों के माध्यम से मतदान करने की सुविधा दी गई है। परन्तु पौडी गढ़वाल सहित कई अन्य जनपदों से यह सूचना आई है कि दिव्यांग, 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग एवं अशक्तजनों हेतु छपवाये गये मतपत्र उन मतदाताओं तक न पहुंचकर इन मत पत्रों का दुरूपयोग भाजपा के पक्ष में किया गया है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी पौडी गढ़वाल से उनके द्वारा स्वयं कई बार वार्ता करने के उपरान्त भी कोई समाधान प्राप्त नहीं हो पाया। गोदियाल ने यह भी आरोप लगाया है कि मतदान ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के डाक मतपत्रों के सम्बन्ध में भी यही शिकायत प्राप्त हुई है कि कई ऐसे कर्मचारियों, जिन्होंने डाक मतपत्र हेतु आवेदन किया है उन्हें डाक मतपत्र आवंटित नहीं किये गये हैं। साथ ही कई जनपदों से ऐसी भी शिकायत है कि ऐसे कई कर्मियों को मतपत्र प्राप्त करने हेतु जारी प्रार्थना पत्र आवंटित नहीं किये जा रहे हैं जो कि निष्पक्ष मतदान को परिलक्षित नहीं करता है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमण्डल ने निर्वाचन आयोग से इन मतपत्रों का दुरूपयोग रोकने हेतु जिलाधिकारी पौडी गढ़वाल के साथ-साथ अन्य सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की।

एक अन्य ज्ञापन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने निर्वाचन आयोग से शिकायत की कि हरिद्वार जनपद में होने वाले आगामी पंचायत चुनावों के मद्देनजर शासन स्तर से परिसीमन एवं आरक्षण की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश जारी किये गये हैं, जबकि प्रदेश में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया अभी समाप्त नहीं हुई है तथा राज्य में विधानसभा चुनावों हेतु जारी आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार जनपद में इस प्रकार की कार्यवाही आदर्श चुनाव आचार संहिता का खुला उलंघन है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की कि प्रदेश में जारी चुनाव प्रक्रिया के मद्देनजर लगाई गई आदर्श चुनाव आचार संहिता की अवधि समाप्त होने तक हरिद्वार जनपद में पंचायत चुनाव हेतु परिसीमन एवं आरक्षण की प्रक्रिया पर तुरन्त रोक लगाई जाय। प्रतिनिधिमण्डल में प्रदेश उपाध्यक्ष जोत सिंह बिष्ट, प्रदेश महासचिव संगठन मथुरादत्त जोशी, प्रदेश महासचिव प्रदीप तिवारी, प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसौनी आदि शामिल थे।

उद्गार साहित्यिक एवं सामाजिक मंच ने किया साहित्यकारों का सम्मान

संवाददाता

देहरादून। 'उद्गार' साहित्यिक एवं सामाजिक मंच, देहरादून द्वारा 20 फरवरी को एक भव्य कार्यक्रम में चार साहित्यकारों को 'उद्गार श्री सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में प्रख्यात नवगीतकार असीम शुक्ल,सुप्रसिद्ध कवि इंदु भूषण कोचगवे,वरिष्ठ शायर मुनीश चंद्र सक्सेना तथा साहित्यकार आनंद दीवान शामिल रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करने के पश्चात महिमा श्री के द्वारा सरस्वती वंदना से किया गया । कार्यक्रम संयोजक शिवराज सरहदी के द्वारा आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया गया। संस्था के अध्यक्ष शिव मोहन सिंह तथा सचिव पवन शर्मा द्वारा उद्गार परिवार के हेमचन्द्र सकलानी, शिवराज सरहदी, आनंद सिंह आनंद, संजय प्रधान, पवन कुमार सूरज के साथ सम्मान पत्र, अंग वस्त्र, श्रीफल भेंट करके चारो वरिष्ठ साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मानित साहित्यकारों ने अपने साहित्यिक अनुभवों से उपस्थित श्रोताओं को अवगत कराया तथा श्रोताओं के अनुरोध पर काव्य पाठ किया गया जिसका उपस्थित समाज द्वारा खूब आनंद लिया गया। कार्यक्रम में हिंदी साहित्य समिति के अध्यक्ष डा. राम विनय सिंह , राष्ट्रीय कवि संगम के क्षेत्रीय महामंत्री श्रीकांत शर्मा,जसवीर सिंह हलधर, शादाब अली, निर्मला सिंह, नीलम शर्मा, सहित शहर के साहित्यकार एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहें।

छात्रों से एक बार फिर गुलजार हुई डीआईटी यूनिवर्सिटी

संवाददाता

देहरादून। कोविड-19 की तीसरी लहर के चलते बंद किए गए शिक्षण संस्थान एक बार फिर खुलने लगे हैं। इसी बीच डीआईडी यूनिवर्सिटी भी एक बार फिर छात्रों से गुलजार हो गई।

आज सोमवार को एक बार फिर डीआईडी यूनिवर्सिटी में पहले की तरह छात्रों की चहल-पहल देखी गई और कक्षाएं पूर्ण रूप से सुचारू कर दी गई। इस बारे में जानकारी देते हुए डीआईडी यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार वंदना सुहाग ने बताया कि कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए एक बार फिर सरकारी निर्देशानुसार यूनिवर्सिटी में कक्षाएं संचालित करा दी गई हैं। उन्होंने बताया कि 2 माह पूर्व यूनिवर्सिटी बंद कर दी गई थी और कक्षाएं ऑनलाइन संचालित की जा रही थी। वहीं कुछ छात्र जो दूरस्थ क्षेत्रों से पढ़ने आए हुए हैं वह हॉस्टल में ही कोविड-19 का पालन करते हुए रह रहे थे। कहा कि यूनिवर्सिटी में छात्रों एवं स्टाफ के लिए वैक्सीनेशन कैम्प लगवा कर सभी की वैक्सीनेशंस पूरी करवाने का काम किया गया है एवं कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए यूनिवर्सिटी में सैनिटाइजेशन आदि कार्य को पूरा करवाया गया है एवं इस बात का पूरा ध्यान रखा जा रहा है कि कोई भी छात्र एवं कर्मचारी कोविड-19 नियमों का उल्लंघन न करें।

एक नजर

10वीं और 12वीं बोर्ड की ऑफलाइन परीक्षा रद्द करने की याचिका पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट तैयार

नई दिल्ली। १०वीं और १२वीं बोर्ड की ऑफलाइन परीक्षाओं को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई करने के लिए सप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। सीजेआई जस्टिव एन वी रमना ने कहा कि न्यायाधीश ए एन खानविलकर की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। वकील पद्मनाभन ने बेंच को बताया

कि यह याचिका कक्षा १०वीं और १२वीं के छात्रों की बोर्ड परीक्षा से संबंधित है। कोर्ट में दायर की गई याचिका में सभी राज्य बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई की १०वीं और १२वीं बोर्ड की शारीरिक तौर पर परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि अदालत सीबीएसइ, आईसीएसइ, एनआईओएस और राज्य बोर्डों के कक्षा १०, ११, १२वीं के छात्रों के लिए ऑफलाइन परीक्षा के बजाय मूल्यांकन के वैकल्पिक तरीके अपनाने का निर्देश दे। इसके अलावा जो लोग आंतरिक मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं हैं। उनके लिए एक सुधार परीक्षा आयोजित कराने का भी आदेश कोर्ट दे। याचिका में विभिन्न विश्वविद्यालयों में दाखिले की तिथि घोषित करने के लिए एक समिति का गठन करने के लिए यूजीसी को आदेश जारी करने की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि चूंकि कोविड के चलते शारीरिक तौर पर कक्षाएं नहीं हुई हैं। इसलिए ऑफलाइन की जगह ऑनलाइन परीक्षा हो।

पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर अपमान करने पर 5 साल की सजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोशल मीडिया पर नकेल कसने की कवायद के तहत किसी भी व्यक्ति का अपमान करने के जुर्म में जेल की सजा तीन से बढ़ाकर पांच साल तक कर दी है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा जारी एक अध्यादेश के जरिए इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम कानून, २०१६ (पेका) के प्रावधानों में बदलाव किए गए हैं। यह अध्यादेश तब जारी किया गया है जब कुछ दिनों पहले ही संचार मंत्री मुराद सईद के खिलाफ अभद्र टिप्पणियों के लिए मीडिया जगत की हस्ती मोहसिन बेग को गिरफ्तार किया गया था। कानून मंत्री बैरिस्टर फारुख ने आगाह किया था कि फर्जी खबरों में शामिल होने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम (संशोधन) अध्यादेश, २०२२ लागू किया गया। अध्यादेश में पेका की धारा २० में संशोधन कर किसी व्यक्ति या संस्थान का अपमान करने के लिए जेल की सजा तीन साल से बढ़ाकर पांच साल तक कर दी गई है। नए कानूनों में ऑनलाइन मंच पर सार्वजनिक मानहानि को संज्ञेय और गैर जमानती अपराध बना दिया गया है और मामले के शीघ्र निपटारे के लिए एक नयी धारा जोड़ी गयी है।

कर्नाटक में बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या, शिवमोगा में धारा 144 लागू

बेंगलुरू। कर्नाटक के शिवमोगा में बजरंग दल के २३ साल के कार्यकर्ता की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने सोमवार को २ आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा किया है। एहतियातन पुलिस ने शहर में धारा १४४ के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। शुरुआती जांच में पुलिस इस हत्या को हिजाब विवाद से जोड़कर देख रही है। वहीं राज्य सरकार ने इस हत्या का हिजाब विवाद से कनेक्शन होने से इनकार किया है। राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र का कहना है कि इस हत्या का हिजाब विवाद से लेनादेना नहीं है। पुलिस इसे गहनता से जांच कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ हा जा सकेगा। बताया गया है कि हर्षा ने अपने फेसबुक प्रोफाइल पर कुछ दिन पहले हिजाब के खिलाफ और भगवा शॉल के समर्थन में पोस्ट किया था। कर्नाटक के उडुपी में हिजाब विवाद सामने आने के बाद से ही बजरंग दल काफी सक्रिय है। इसीलिए हर्षा की हत्या को इस एंगल से देखा जा रहा है। हालांकि, पुलिस इस पर कुछ भी बोलने से बच रही है।

एंटीक पीस शोरूम में हुई चोरी के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। मसूरी डायवर्जन एंटीक पीस शोरूम में हुई चोरी के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को पुलिस ने कल देर रात गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने उक्त चोरी के माल सहित कैंट क्षेत्र में हुई चोरी का माल भी बरामद किया है। आरोपी के पांच साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

मसूरी डाइवर्जन रोड पर रेसकोर्स निवासी अमजद अली का हैंडीक्राफ्ट एंटीक पीस शोरूम हैं 18 फरवरी की रात उनके शोरूम में पीतल व चांदी के एंटीक सामानों की अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गयी थी। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बीते रोज तीन महिलाओं सहित पांच लोगों को चुराये

❑आरोपी के कब्जे से दो चोरियों का माल बरामद

गये माल सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इस मामले में एक आरोपी फरार था जिसकी तलाश की जा रही थी। फरार आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम को कल देर रात सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल फरार मुख्य आरोपी किशन मोहन साहनी राज्य से बाहर फरार होने की फिराक में है और वह रेलवे स्टेशन की तरफ निकला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा रेलवे स्टेशन पहुंच कर किशन मोहन साहनी पुत्र भजन साहनी निवासी कावली रोड को शौचालय के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके कब्जे से पुलिस ने चोरी किये गये माल सहित 10 लैपटाप भी बरामद किये गये। जिसके बारे में उसने बताया कि यह चोरी हमने बल्लूपुर अलकापुरी क्षेत्र से एक एचपी सर्विस सेंटर में ताला तोडकर की थी। बताया कि यह चोरी हमने मसूरी डायवर्जन में एंटीक पीस शोरूम की चोरी से पहले की थी। इस चोरी में मेरे साथ चंदन साहनी पुत्र शंभू साहनी निवासी कावली रोड, सुनीला देवी पत्नी स्व. सुरदीप साहनी निवासी लक्ष्मण चौक, रीता देवी पत्नी अमरजीत साहनी निवासी ग्राम सरवारा थाना सिमरी दरभंगा बिहार शामिल थे। जिनको पुलिस पहले ही पकड़कर जेल भेज चुकी है। बताया कि जब मुझे पता चला कि मेरे साथी गिरफ्तार हो गए तो मैं राज्य से बाहर भागने की फिराक में था लेकिन पकड़ा गया। बहरहाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

शटरिंग चोरी मामले में सात महिलाओं सहित आठ लोग गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। शटरिंग चोरी के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने सात महिलाओं सहित आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चुरायी गयी सभी शटरिंग व वारदात में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 19 फरवरी को अनूप कुमार सोलंकी निवासी भानियावाला ने कोतवाली डोईवाला में तहरीर देकर बताया गया कि गणपति गार्डन के समीप मेरा नहर बनाने का काम चल रहा था, जिसमें मेरी लोहे की शटरिंग लगी थी। बताया कि 17 फरवरी की रात अज्ञात चोरों द्वारा मेरी निर्माण कार्य में लगी लोहे की शटरिंग की प्लेटें चोरी कर ली गयी है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीते रोज सूचना मिली कि केशव पुरी की रहने वाली कुछ महिलाओं द्वारा चोरी की उस घटना को अंजाम दिया गया है तथा साहिल नाम का एक व्यक्ति भी उनके साथ शामिल है जो चोरी के माल को हरिद्वार की तरफ ले जाने की फिराक में है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा केशवपुरी क्षेत्र में चेकिंग शुरू कर दी गयी। चैकिंग के दौरान पुलिस ने माजरी तिराहा से छोटा हाथी वाहन में सवार 7 चोरों (1 पुरुष, 6 महिला) को चोरी की गई शटरिंग सहित गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम साहिल पुत्र हनीफ, इंदु पत्नी शिव चंद, अनीता पत्नी किशोरी साहनी, भीमा देवी पत्नी नंदू साहनी, मंजू पत्नी राकेश, किसनी पत्नी रामशरण व रानी पत्नी बबलू साहनी निवासी केशवपुरी बस्ती डोईवाला बताया। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

महिला वोटर करेंगी इस बार भाजपा की...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

वहीं उनके द्वारा 'हर घर जल हर घर नल' और शौचालयों का जिक्र भी अपने हर भाषण में शिद्दत के साथ किया गया। गरीब परिवारों की लड़कियों की शादी और छात्राओं को दिए जाने वाले अनुदान तथा उज्जवला योजना से मिले गैस कनेक्शन और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं ने महिलाओं पर भारी प्रभाव छोड़ा है।

इससे प्रभावित होकर पहाड़ की महिलाओं ने मोदी के काम और नाम पर भाजपा के समर्थन में जो वोट दिया है वह भाजपा का बेड़ा पार लगा सकता है। भले ही महिलाओं का शत प्रतिशत वोट भाजपा को न मिला हो लेकिन यह भाजपा की जीत का आधार बन सकता है।

भाजपा नेता भी भितरघात की खबरों के बीच अगर अपनी जीत का दावा कर रहे हैं तो उसका आधार भी यह महिला मतदाता ही है। परिणाम क्या होता है इसकी सही जानकारी तो 10 मार्च को ही मिल सकेगी लेकिन महिला वोटर भाजपा के लिए मुफीद साबित होने जा रही है, इसकी संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।